बी० ए० I
समाज शास्त्र

समिति (Association)

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और इसरुप में उसकी असंख्य आवश्यकताएं है। अपने अस्तित्व को बनाये रखने और समुदाय में अपने जीवन को ठीक प्रकार से चलने के लिए इन आवश्यकताओं की पूर्ति आवश्यक है इस प्रकार स्पष्ट है कि जब कुछ लोग मिल-कर अपनी आवश्यकताओं आदि उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सहयोग करते हैं। संगठन बनाकर प्रयत्न करते है। तो ऐसे संगठन को ही समिति कहा जाता है।

समीति की परिभाषा –

मैकाइवर एंव पेज के अनुसार — "समिति मनुष्यों का एक समूह है। जिसे किसी सामान्य उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संगठित किया गया है।"

फेयरचाइल्ड के अनुसार — "समिति एक ऐसा संगठनात्मक समूह है जिसका निर्माण सामान्य उद्देश्यो की पूर्ति के लिए किया गया है जिसका अपना आत्मनिर्भर प्रशासकीय ढांचा तथा कार्यकर्ता होते हैं।"

ऑगबर्न एंव निमकाफ के अनुसार — समिति एक

ऐसा संगठन है जो प्राय: विशेष स्वार्थों की पूर्ति के लिए बनाया जाता है। इसका उद्देश्य अपने सदस्यों की विशेष या सामान्य इच्छाओं की सन्तुष्टि के अतिरिक्त और कुछ नहीं है"

समिति की विशेषताएँ

समिति की उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर इसकी प्रमुख विशेषताएं या लक्षणों को निम्न प्रकार से स्पष्ट किया जा सकता है-

(1) व्यक्तियों का समूह — समिति का निर्माण कुछ व्यक्ति मिलकर करते हैं क्योंकि व्यक्ति मूर्त प्राणी है अतः समिति एक मूर्त संगठन है।

2- निश्चित उद्देश्य — समिति के एक या निश्चित उद्देश्य होते हैं

3- एक निश्चित संगठन → प्रत्येक समिति का एक निश्चित संगठन होता है संगठन के अभाव में कोई भी समिति अपने उद्देश्यों को ठीक से प्राप्त नहीं कर सकती, किसी भी भीड़ को संगठन के अभाव में समिति नहीं कहा जा सकता है।

4- ऐच्छिक सदस्यता — किसी भी समिति का सदस्य बनना या नहीं बनना पूर्णत:

व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर करता है

अस्थायी प्रकृति – समिति साधारणतः कुछ उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विचारपूर्वक बनायी जाती है। और उन उद्देश्यों के पूरा होने पर उस समिति को समाप्त कर दिया जाता है

औपचारिक सम्बन्ध – समिति के सदस्यों के बीच गये जाने वाले सम्बन्धों की प्रकृति औपचारिक होती है।

साध्य नहीं होकर साधन – कोई भी समिति साधारणतः कुछ उद्देश्यों की पूर्ति का साधन मात्र होती है अपने आप में साध्य नहीं। कोई व्यक्ति क्लीक्लब का सदस्य मनोरंजन सम्बन्धी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बनता है।

समिति एवं समाज में अन्तर

समिति	समाज
① समिति व्यक्तियों का एक समूह है	समाज सामाजिक सम्बन्धों का जाल है
② समिति एक अस्थाई संगठन है	समाज समिति की तुलना में एक स्थाई अवस्था है

PAGE NO.:
DATE: / /

(8) समिति सहयोग की भावना पर आधारित होती है	समाज में सहयोग के अलावा संघर्ष भी पाया जाता है,

प्राचार्य
...रा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया